आनन्द रघुनन्दन नाटक

آنند رگھونندن ناٹک

श्री महाराजाधिराज श्री बांधवेश विश्वनाथ सिंह स्वर्गवासी कृत

जिसमें

संस्कृत प्राकृत देवनागरी गद्य पद्य इत्यादि अनेक भांति की भाषा-
ओं में श्रीराम चरित्रान्तर्गत मुनिजन शिरोमणि ब्रह्मर्षि विश्वामित्र
जी महाराज की मखरक्षा से श्री परब्रह्म परमेश्वर दशरथ कुमार
रामचन्द्रजी महाराज के सिंहासन पर विराजमान होने पर्य्यन्त का
वृत्तान्त नट नाट्य करना सहित क्रमोत्तर ललित नाटक भाषा

सात अङ्कों में वर्णित है

पहली बार

लखनऊ

मुंशी नवलकिशोर के छापेखाने में छपा

जनवरी सन् १८८१ ई०